

<p>1 וַיֵּסַע מִשָּׁם אַבְרָהָם  אֶרְצָה הַנִּגְבַּב וַיִּשְׁבּוּ  בֵּין-קָדֵשׁ וּבֵין שׁוּר  וַיֵּגֶר בְּגֵרָר:  2 וַיֹּאמֶר אַבְרָהָם  אֶל-שָׂרָה אִשְׁתּוֹ אֵתְתִי  הִוא וַיִּשְׁלַח אַבְיִמֶלֶךְ  מֶלֶךְ גֵּרָר וַיִּקַּח  אֶת-שָׂרָה:  3 וַיָּבֹא אֱלֹהִים  אֶל-אַבְיִמֶלֶךְ בַּחלֹם  הַלַּיְלָה וַיֹּאמֶר לוֹ הֲנִנְךָ  מֵת עַל-הָאִשָּׁה  אֲשֶׁר-לָקַחְתָּ וְהִוא  בְּעַלְתָּ בָּעַל:  4 וַאֲבִימֶלֶךְ לֹא קָרַב  אֵלֶיהָ וַיֹּאמֶר אֲדֹנָי הַגּוֹי  גַם-צִדִּיק תִּהְיֶה גַם:  5 הֲלֹא הִוא אֶמְרָלִי  אֵתְתִי הִוא  וְהִיא-גַם-הִוא אֶמְרָה  אֵתִי הִוא בְּתַם-לְבָבִי  וּבְנִקְלוֹן כִּפִּי עָשִׂיתִי  תָּא:  6 וַיֹּאמֶר אֵלָיו הֲאֵלֹהִים  בְּחַלְמִים גַּם אֲנִכִּי יִדְעִתִּי  כִּי בְתַם-לְבָבִי עָשִׂיתָ  אֵת וְאֶחְשֶׂה גַם-אֲנִכִּי  אוֹתָהּ מִחַטּוֹ-לִי עַל-כֵּן  לֹא-נִתְתִּיךָ לְנִגְזַע אֵלֶיהָ:</p>	<p>1 Καὶ ἐκίνησεν ἐκεῖθεν  Ἀβραὰμ εἰς γῆν πρὸς λίβα  καὶ ὤκησεν ἀνὰ μέσον  Καδης καὶ ἀνὰ μέσον Σουρ  καὶ παρώκησεν ἐν Γεραροις.  2εἶπεν δὲ Ἀβραὰμ περὶ  Σαρρας τῆς γυναικὸς αὐτοῦ  ὅτι Ἄδελφή μου ἐστίν·  ἐφοβήθη γὰρ εἰπεῖν ὅτι Γυνή μου  ἐστίν, μήποτε ἀποκτείνωσιν αὐτὸν  οἱ ἄνδρες τῆς πόλεως δι' αὐτήν.  ἀπέστειλεν δὲ Ἀβιμελεχ  βασιλεὺς Γεραρων καὶ  ἔλαβεν τὴν Σαρραν.  3καὶ εἰσηλθεν ὁ θεὸς πρὸς  Ἀβιμελεχ ἐν ὕπνῳ τὴν νύκτα  καὶ εἶπεν Ἴδου σὺ  ἀποθνήσκεις περὶ τῆς  γυναικὸς, ἣς ἔλαβες, αὕτη δὲ  ἐστίν συνωκηκυῖα ἀνδρί.  4Ἀβιμελεχ δὲ οὐχ ἤψατο  αὐτῆς καὶ εἶπεν Κύριε, ἔθνος  ἀγνοοῦν καὶ δίκαιον ἀπολείς;  5οὐκ αὐτός μοι εἶπεν  Ἄδελφή μου ἐστίν; καὶ αὐτὴ  μοι εἶπεν Ἀδελφός μου  ἐστίν. ἐν καθαρᾷ καρδία καὶ  ἐν δικαιοσύνῃ χειρῶν  ἐποίησα τοῦτο.  6εἶπεν δὲ αὐτῷ ὁ θεὸς καθ'  ὕπνον Κάγω ἔγνων ὅτι ἐν  καθαρᾷ καρδία ἐποίησας  τοῦτο, καὶ ἐφεισάμην ἐγώ  σου τοῦ μὴ ἁμαρτεῖν σε εἰς  ἐμέ· ἔνεκεν τούτου οὐκ  ἀφήκᾰ σε ἄψασθαι αὐτῆς.</p>	<p>1 Profectus inde Abraham  in terram australem,  habitavit inter Cades et  Sur : et peregrinatus est in  Geraris.  2Dixitque de Sara uxore  suo : Soror mea est. Misit  ergo Abimelech rex  Geraræ, et tulit eam.  3Venit autem Deus ad  Abimelech per somnium  nocte, et ait illi : En  morieris propter mulierem  quam tulisti : habet enim  virum.  4Abimelech vero non  tetigerat eam, et ait :  Domine, num gentem  ignorantem et justam  interficiēs ?  5nonne ipse dixit mihi :  Soror mea est : et ipsa  ait : Frater meus est ? In  simplicitate cordis mei, et  munditia manuum  mearum feci hoc.  6Dixitque ad eum Deus :  Et ego scio quod simplici  corde feceris : et ideo  custodivi te ne peccares in  me, et non dimisi ut  tangeres eam.</p>
-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

<p>7 וְעַתָּה הַשָּׁב אֲשֶׁת-הָאִישׁ כִּי-נָבִיא הוּא וַיִּתְפַּלֵּל בְּעַדָּךְ וַתִּגַּה וְאִם-אֵינָךְ מְשִׁיב דָּע כִּי-מֹות תָּמוּת אֶתְּךָ וְכָל-אֲשֶׁר-לָךְ: 8 וַיִּשְׁפֹּם אַבְיִמֶלֶךְ בַּבֶּקֶר וַיִּקְרָא לְכָל-עַבְדָּיו וַיִּדְבַר אֶת-כָּל-הַדְּבָרִים הָאֵלֶּה בְּאָזְנֵיהֶם וַיִּירָאוּ הָאֲנָשִׁים מְאֹד: 9 וַיִּקְרָא אַבְיִמֶלֶךְ לְאַבְרָהָם וַיֹּאמֶר לוֹ מָה-עָשִׂיתָ לָּנוּ וַמָּה-תִּטָּאֲתִי לָךְ כִּי-הִבַּאתָ עָלַי וְעַל-מִמְלַכְתִּי תִטָּאֵה גְדֹלָה מֵעַשִׂים אֲשֶׁר לֹא-יַעֲשׂוּ עָשִׂיתָ עִמָּדִי: 10 וַיֹּאמֶר אַבְיִמֶלֶךְ אֶל-אַבְרָהָם מָה רָאִיתָ כִּי עָשִׂיתָ אֶת-הַדְּבָר הַזֶּה: 11 וַיֹּאמֶר אַבְרָהָם כִּי אֲמַרְתִּי רָק אִין-יִרְאֵת אֱלֹהִים בְּמִקְוֹם הַהוּא וַהֲרַגְנִי עַל-הַדְּבָר אֲשֶׁר: 12 וְגַם-אֲמַנָּה אֲחֹתִי בַת-אָבִי הוּא אֵךְ לֹא בַת-אִמִּי וַתְּהִי-לִי לְאִשָּׁה:</p>	<p>7νῦν δὲ ἀπόδος τὴν γυναῖκα τῷ ἀνθρώπῳ, ὅτι προφήτης ἐστὶν καὶ προσεύξεται περὶ σοῦ καὶ ζήσῃ· εἰ δὲ μὴ ἀποδίδως, γνῶθι ὅτι ἀποθανῆ σὺ καὶ πάντα τὰ σά. 8καὶ ὄρθρισεν Αβιμελεχ τὸ πρῶν καὶ ἐκάλεσεν πάντας τοὺς παῖδας αὐτοῦ καὶ ἐλάλησεν πάντα τὰ ῥήματα ταῦτα εἰς τὰ ὦτα αὐτῶν, ἐφοβήθησαν δὲ πάντες οἱ ἄνθρωποι σφόδρα. 9καὶ ἐκάλεσεν Αβιμελεχ τὸν Αβρααμ καὶ εἶπεν αὐτῷ Τί τοῦτο ἐποίησας ἡμῖν; μή τι ἡμάρτομεν εἰς σέ, ὅτι ἐπήγαγες ἐπ' ἐμέ καὶ ἐπὶ τὴν βασίλειάν μου ἁμαρτίαν μεγάλην; ἔργον, ὃ οὐδεὶς ποιήσει, πεποίηκάς μοι. 10εἶπεν δὲ Αβιμελεχ τῷ Αβρααμ Τί ἐνιδῶν ἐποίησας τοῦτο; 11εἶπεν δὲ Αβρααμ Εἶπα γάρ ᾿Αρα οὐκ ἔστιν θεοσέβεια ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ, ἐμέ τε ἀποκτενοῦσιν ἕνεκεν τῆς γυναϊκός μου. 12καὶ γὰρ ἀληθῶς ἀδελφή μού ἐστιν ἐκ πατρός, ἀλλ' οὐκ ἐκ μητρός· ἐγενήθη δέ μοι εἰς γυναῖκα.</p>	<p>7Nunc ergo redde viro suo uxorem, quia propheta est : et orabit pro te, et vives : si autem nolueris reddere, scito quod morte morieris tu, et omnia quæ tua sunt. 8Statimque de nocte consurgens Abimelech, vocavit omnes servos suos : et locutus est universa verba hæc in auribus eorum, timueruntque omnes viri valde. 9Vocavit autem Abimelech etiam Abraham, et dixit ei : Quid fecisti nobis ? quid peccavimus in te, quia induxisti super me et super regnum meum peccatum grande ? quæ non debuisti facere, fecisti nobis. 10Rursumque expostulans, ait : Quid vidisti, ut hoc faceres ? 11Respondit Abraham : Cogitavi mecum, dicens : Forsitan non est timor Dei in loco isto : et interficient me propter uxorem meam : 12alias autem et vere soror mea est, filia patris mei, et non filia matris meæ, et duxi eam in uxorem.</p>	<p>13 וַיְהִי כַּאֲשֶׁר הִתְעַו אֹתִי אֱלֹהִים מִבֵּית אָבִי וַאֲמַר לֵה זֶה חֲסָדְךָ אֲשֶׁר תַּעֲשִׂי עִמָּדִי אֶל כָּל-הַמְּקוֹם אֲשֶׁר נָבִיא שְׁמָה אֲמַר-לִי אֲחִי הוּא: 14 וַיִּקַּח אַבְיִמֶלֶךְ צֹאן וּבָקָר וְעַבְדִּים וְשִׁפְחֹת וַיִּתֵּן לְאַבְרָהָם וַיֵּשֶׁב לוֹ אֶת שָׂרָה אִשְׁתּוֹ: 15 וַיֹּאמֶר אַבְיִמֶלֶךְ הִנֵּה אֲרֻצֵּי לְפָנַי בְּטוֹב בְּעֵינַי שָׁב: 16 וּלְשָׂרָה אָמַר הִנֵּה נָתַתִּי אֵלַי קֶסֶף לְאַחִיךָ הִנֵּה הוּא-לָךְ כֶּסֶף עֵינַיִם לְכָל אֲשֶׁר אֲתָה וְאֵת כָּל וְנִקַּחְתָּ: 17 וַיִּתְפַּלֵּל אַבְרָהָם אֶל-הָאֱלֹהִים וַיִּרְפָּא אֶת-הָאִשָּׁה וְאֶת-הַתִּינוֹ וַיִּלְדוּ: 18 כִּי-עָצַר עָצַר יְהוָה בְּעַד כָּל-יִרְחָם לְבַיִת אַבְיִמֶלֶךְ עַל-דְּבַר שָׂרָה אֲשֶׁת אַבְרָהָם : 13ἐγένετο δὲ ἡνίκα ἐξήγαγέν με ὁ θεὸς ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ πατρός μου, καὶ εἶπα αὐτῇ Ταύτην τὴν δικαιοσύνην ποιήσεις ἐπ' ἐμέ· εἰς πάντα τόπον, οὗ ἂν εἰσέλθωμεν ἐκεῖ, εἶπὸν ἐμέ ὅτι Ἄδελφός μού ἐστίν. 14ἔλαβεν δὲ Αβιμελεχ χίλια δίδραχμα πρόβατα καὶ μόσχους καὶ παῖδας καὶ παιδίσκας καὶ ἔδωκεν τῷ Αβρααμ καὶ ἀπέδωκεν αὐτῷ Σαρραν τὴν γυναῖκα αὐτοῦ. 15καὶ εἶπεν Αβιμελεχ τῷ Αβρααμ Ἴδου ἡ γῆ μου ἐναντίον σου· οὗ ἂν σοὶ ἀρέσκη, κατοίκει. 16τῇ δὲ Σαρρα εἶπεν Ἴδου δέδωκα χίλια δίδραχμα τῷ ἀδελφῷ σου· ταῦτα ἔσται σοὶ εἰς τιμὴν τοῦ προσώπου σου καὶ πάσαις ταῖς μετὰ σοῦ· καὶ πάντα ἀλήθευσον. 17προσηύξατο δὲ Αβρααμ πρὸς τὸν θεόν, καὶ ἰάσατο ὁ θεὸς τὸν Αβιμελεχ καὶ τὴν γυναῖκα αὐτοῦ καὶ τὰς παιδίσκας αὐτοῦ, καὶ ἔτεκεν· 18ὅτι συγκλείων συνέκλεισεν κύριος ἔξωθεν πᾶσαν μήτραν ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ Αβιμελεχ ἕνεκεν Σαρρας τῆς γυναϊκὸς Αβρααμ.</p>	<p>13Postquam autem eduxit me Deus de domo patris mei, dixi ad eam : Hanc misericordiam facies mecum : in omni loco, ad quem ingrediemur, dices quod frater tuus sim. 14Tulit igitur Abimelech oves et boves, et servos et ancillas, et dedit Abraham : reddiditque illi Saram uxorem suam, 15et ait : Terra coram vobis est, ubicumque tibi placuerit habita. 16Saræ autem dixit : Ecce mille argenteos dedi fratri tuo, hoc erit tibi in velamen oculorum ad omnes qui tecum sunt, et quocumque perrexeris : mementoque te deprehensam. 17Orante autem Abraham, sanavit Deus Abimelech et uxorem, ancillasque ejus, et pepererunt : 18concluserat enim Dominus omnem vulvam domus Abimelech propter Saram uxorem Abrahæ.</p>
-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------